अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन–70

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 13

(क) शुभ दीर्घायु कर्म का बंध कैसे होता है?

(ख) आचार्य भिक्षु द्वारा मर्यादा निर्माण के पांच प्रमुख उद्देश्य क्या थे?

(ग) आचार्य भिक्षु ने संघ की आधारशिला के रूप में तीन मौलिक बातें कौन सी बताई?

(घ) साधु-साध्वियों की दीक्षा व शिक्षा का विस्तार किस आचार्य के युग में आरम्भ हुआ?

(ड़) आगम व्यवहार का अर्थ बताते हुए बताऐं कि आगम पुरुष कौन कहलाते हैं?

(च) निर्जरा धर्म का हेतु क्या है?

(छ) सिद्धांत और प्ररूपणा में क्या अंतर है?

(ज) मुनि भीमराजजी ने विज्ञान व आगम के आधार पर कौन सी नई बात की खोज की?

(झ) संघबद्ध साधना का दूसरा सूत्र क्या है?

(ञ) तेरापंथ का आधारभूत सिद्धांत क्या है?

(ट) आचार्य कुंदकुंद के अनुसार पुण्य की इच्छा कौन करता है?

(ठ) लोकजागृति के प्रमुख रूप से तीन माध्यम कौन से हैं?

(ड) 'अणुव्रत वर्ष' की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी?

(ढ) 'तीर्थ' का व्युत्पत्ति-लभ्य अर्थ क्या है?

(ण) जैन आगम नंदी में संघ को किन उपमाओं से उपमित किया है?

प्र. 2 किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

(क) 'अवस्था के साथ तेजस्विता का कोई संबंध नहीं है' यह पंक्ति मुनि मघवा पर किस प्रकार चरितार्थ होती है?

(ख) स्थानांग सूत्र में आचार्य की कितनी व कौन सी कसौटियां बताई गई है?

(ग) आचार्य भिक्षु की मौलिक स्थापनाएं कौन सी है? लिखें।

(घ) सामुहिक मनोबल के तीन लक्षण कौन से हैं?

(ड़) 'भिक्षु चेतना वर्ष' के उपलक्ष्य में समाज की किन-किन संस्थाओं को सदस्य बनाया गया?

(च) राजस्थानी साहित्य निर्माता मुनियों के नाम लिखें।

(छ) साधन के उपयोग में चिन्तन के मुख्य बिन्दु क्या थे?

(ज) निक्षेप कितने हैं तथा आचार्य भिक्षु का इसके बारे में क्या दृष्टिकोण था?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100-150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) आचार्य तुलसी द्वारा प्रदप्त युवा-दायित्व शब्द चित्र प्रस्तुत करें।

(ख) आचार्य भिक्षु का स्पष्ट मत था कि हर बात हर किसी के बुद्धिगम्य नहीं हो सकती इसलिए बुद्धिमान को ही समझाना चाहिए। इस कथन को घटना प्रसंग सहित लिखें।

(ग) द्विशताब्दी के अवसर पर साधु-साध्वियों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं को बताएं।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) 'संविभाग का संस्कार सात्विकता का संस्कार है' आचार्य भिक्षु द्वारा दिये गये इस सूत्र की सार्थकता को विस्तार से लिखें।

(ख) विकास महोत्सव वास्तव में सर्वांगीण विकास का प्रतीक है, घटनाक्रम को लिखें।

(ग) तेरापंथ की तीसरी शताब्दी के नये आयामों का उल्लेख करें।

भिक्षु वाणी–30

प्र. 5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें– 15

(क) जिण मारग री.....मथीयां घी आये।

(ख) बावल बाजे.....मे कूर।

(ग) गलियार गधो.....पार धाले।

(घ) पाप.....कोड्यां मोल।

(ड़) ज्यूं अधर्म.....माहे चात्या।

प्र. 6 कोई पांच पद्य लिखें– 15

(क) साध्वाभास।

(ख) राग-द्वेष।

(ग) शूरवीर।

(घ) संकीर्णता।

(ड़) समझाया विनीत.....अन्तर जोय।

(च) हलूकरमीं.....टले असामध।

(छ) लोक मांहे.....रें मांहि।

(ज) रांका नें.....उठ्या वेंरी।